विश्व परिवर्तन की जिम्मेदारी

पहने रखेंगे विश्व परिवर्तन की जिम्मेदारी का ताज
स्वर्ग बना देंगे सारी दुनिया को कल नहीं हम आज
दुश्मन हो कोई भी हमारा उसे शुभभावना देते जाएंगे
श्रीमत विरुद्ध व्यवहार से विकर्मो को नहीं बढ़ाएंगे
बाबा से छुड़ाने के लिए माया लगाए कितना भी जोर
अपने दोनों हाथों में थाम ली हमने श्रीमत रूपी डोर
विघ्न आए कितने भी हम बाबा से योग लगाते जायेंगे
अष्ट शक्तियों के घेरे में रहकर खुद को माया से बचाएंगे
अपना जीवन प्रभु के हवाले कोई और ना छीन

पायेगा
हमसे जो कोई टकराएगा वो खुद बाबा का बन जायेगा
ॐ शांति